14. एक बुढ़िया

1. प्रश्नों के उत्तर लिखो—

(क) बुढ़िया का क्या नाम था?

....

(ख) वह दिनभर खाली क्यों रहती थी?

....

....

(ग) बुढ़िया को आराम क्यों नहीं था?

....

....

2. कविता की पंक्तियाँ पूरी करो—

कहीं एक ....,

.... ।

वह दिन ....,

.... ।

काम न ....,

.... ।

3. उलटे अर्थ वाले शब्द लिखो—

एक ×	शाम ×	रात
		सवेरे
खाली ×	दिन ×	अनेक
		भरा

4. कौन क्या काम करता है? रेखा द्‌वारा मिलाओ—

मोची	खाना बनाता है।
किसान	लकड़ी का सामान बनाता है।
रसोईया	फ़सल उगाता है।
बढ़ई	जूता सिलता है।

रचनात्मक अभिव्यक्ति

कविता पढ़ो और याद करो—

एक बुढ़िया ने बोया दाना,
गाजर का था पौध लगाना।
गाजर हुई खूब बड़ी,
खूब बड़ी जी, खूब बड़ी।
सोचा इसे तोड़ लाऊँ,
गरमागरम हलवा बनाऊँ।
पकड़ी चोटी ज़ोर लगाया,
नहीं बना जी नहीं बना, काम हमारा नहीं बना।
फिर बुढ़िया ने मदद बुलाई,
खूब सारी गाजर तुड़वाई।
एड़ी चोटी ज़ोर लगाया,
बन गया जी बन गया, काम हमारा बन गया।
बुढ़िया ने हलवा बनाया,
सबने मिलकर खूब खाया।